NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th
Subject : हिंदी
Chapter : 1
Chapter Name : गिल्लू

Q1 सोनजुही मे लगी पीली कली को देखकर लेखिका के मन में कौन से विचार उमड़ने लगे?
Answer.
गिल्लू हरी लता में छिपकर बैठ जाता था और लेखिका के पास आते ही कूद कर कंधे पर बैठ जाता था। सोनजुही में लगी पीली कली लेखिका को गिल्लू को याद दिलाती थी।

Page : 6 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q2. पाठ के आधार पर कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है ?
Answer.
पितरपक्ष में कौए के माध्यम से अपने पुरखों को तृप्त करने के लिए कौए को भोजन कराना, यह उसके प्रति आदर व्यक्त करता है और कौए का बोलना किसी के आने का समाचार होता है। अतः उसकी कर्कश आवाज़ सुन कर उसे उड़ा देना उसके प्रति अनादर का भाव प्रकट करता है ।

Page : 6 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q3 गिलहरी के घायल बच्चे का उपचार किस प्रकार किया गया?
Answer.
लेखिका गिलहरी के बच्चे को उठाकर जिसको कौए ने घायल कर दिया था अपने कमरे मे ले आई। पहले उसके रक्त को साफ किया और फिर पेंसिलीन का लेप लगाया। रूई की बत्ती बनाकर उसे दूध मे भिगोया और बच्चे का मुँह खोलकर दूध पिलाने का प्रयास किया। कई घंटे उपचार के बाद बच्चे का मुँह खुला तो रुई के फाहे से पानी पिलाया। इस तरह गिलहरी के बच्चे का उपचार किया गया।

Page : 6 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q4 लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था?
Answer.
लेखिका का ध्यान आकिर्षत करने के लिए गिल्लू दौड़ता रहता जब तक लेखिका पकड़ नहीं लेती और वह लेखिका के पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता, उसी तेजी से उतरता अत: भूख लगने पर चिक-चिक करता और लेखिका से काजू और विस्कुट लेकर शांत होता।

Page : 7 , Block Name : बोध-प्रश्न

aglasem.com

Q5 गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझी गई और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया ?
Answer.
जब नीम और चमेली की गंध लेखिका के कमरे में आने लगी और गिल्लू के जीवन में प्रथम बसंत आया। बाहर की गिलहरियाँ खिड़की की जाली के पास आकर चिक-चिक करके गिल्लू से न जाने क्या कहने लगी। ऐसे में गिल्लू का जाली से बाहर झांकते देखकर लेखिका को लगा कि इसे अब मुक्त कर देना चाहिए। लेखिका ने जाली का एक कोना खोल दिया जिससे गिल्लू बाहर जाने लगा।

Page : 7 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q6 गिल्लू किन-किन अर्थों में परिचारिका की भूमिका निभा रहा था?
Answer.
जब लेखिका मोटर दुर्घटना में आहत होकर अस्पताल से घर आई। तब गिल्लू लेखिका के सिराहने इस तरह बैठा रहता जैसे कोई परिचारिका सेवा कर रही हो और अपने नन्हे -नन्हे पंजों से लेखिका के बालों को सहलाता। लेखिका को उसका हटना परिचारिका के हटने के समान लगता था।

Page : 7 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q7 गिल्लू की किन चेष्टाओं से यह आभास मिलने लगा था कि अब उसका अंत समीप है?
Answer.
गिलहरियों की उमर दो वर्ष की होती है और गिल्लू भी दो वर्ष का हो चुका था। उसने दिन भर कुछ भी न खाया, न ही बाहर घूमने गया। रात को आपने झूले से उतरकर लेखिका के बिस्तर पर आ गया और ठंडे पंजों से लेखिका की उँगली पकड़कर हाथ से चिपक गया और हमेशा के लिए सो गया।

Page : 7 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q8 'प्रभात की प्रथम किरण के स्पर्श के साथ ही वह किसी और जीवन में जागने के लिए सो गया' का आशय स्पष्ट कीजिए।
Answer.
इसका आशय यह है कि गिल्लू मर चुका है। अतः लेखिका को विश्वास है कि गिल्लू की आत्मा किसी अन्य जीव के रूप में जन्म लेने को तैयार है।

Page : 7 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q9 सोनजुही की लता के नीचे बनी गिल्लू की समाधि से लेखिका के मन में किस विश्वास का जन्म होता है?
Answer.

गिल्लू की की समाधी सोनजुही की लता के नीचे बनाई गई क्योंकि एक तो गिल्लू को यह लता बहुत पसंद थी दूसरा इसलिए कि यह लेखिका को संतोष देता था कि किसी बसंती दिन छोटा जीव जुही के पीले फूल मे गिल्लू की आभा प्रकट होगी ।

Page : 7 , Block Name : बोध-प्रश्न

aglasem.com